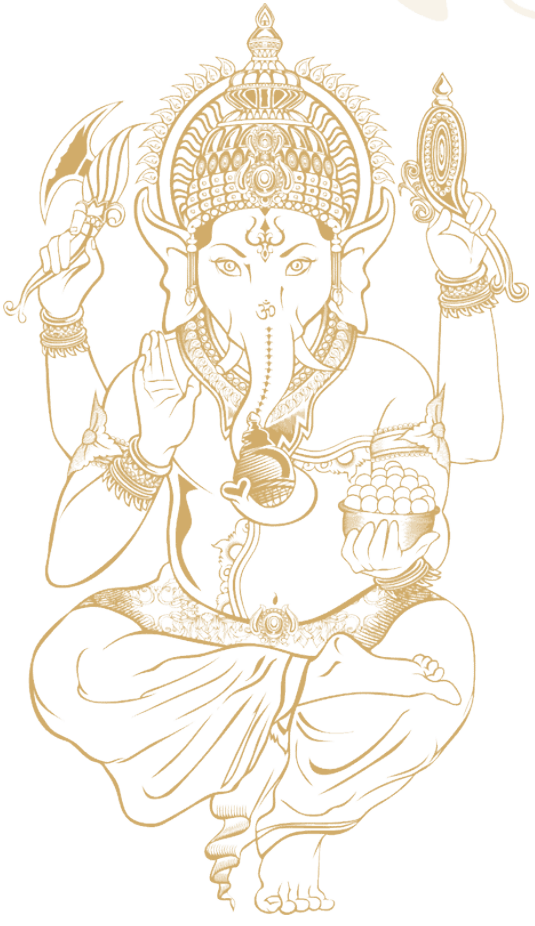

Anand tiwari

Soumya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121651205

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/10/2001	जन्म तिथि	22-23/01/2003
शुक्रवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 20:07:00	जन्म समय	04:15:00 घंटे
घटी 34:36:45	जन्म समय(घटी)	52:32:31 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:17	सूर्योदय	07:13:59
18:03:37	सूर्यास्त	17:51:30
23:52:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:45

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 5वर्ष 4मा 2दि		29:59:01	मेष	लग्न	वृश्चि	24:08:05	सूर्य 1वर्ष 4मा 19दि	
मंगल		18:32:34	कन्या	सूर्य	मक	08:35:59	राहु	
07/02/2023		23:06:25	मेष	चंद्र	कन्या	06:55:01	13/06/2021	
06/02/2030		21:34:02	धनु	मंगल	वृश्चि	09:49:14	13/06/2039	
मंगल	06/07/2023	04:55:17	तुला व	बुध व	धनु	18:24:01	राहु	24/02/2024
राहु	23/07/2024	20:33:14	मिथु	गुरु व	कर्क	20:34:46	गुरु	19/07/2026
गुरु	29/06/2025	23:54:51	सिंह	शुक्र	वृश्चि	22:08:48	शनि	25/05/2029
शनि	08/08/2026	21:01:31	वृष व	शनि व	वृष	29:04:46	बुध	13/12/2031
बुध	05/08/2027	06:25:21	मिथु व	राहु व	वृष	13:07:25	केतु	30/12/2032
केतु	01/01/2028	06:25:21	धनु व	केतु व	वृश्चि	13:07:25	शुक्र	31/12/2035
शुक्र	03/03/2029	27:17:42	मक व	हर्ष	कुंभ	03:26:54	सूर्य	24/11/2036
सूर्य	08/07/2029	12:09:31	मक व	नेप	मक	16:27:47	चन्द्र	26/05/2038
चन्द्र	06/02/2030	19:09:40	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:06:52	मंगल	13/06/2039

लग्न-चलित

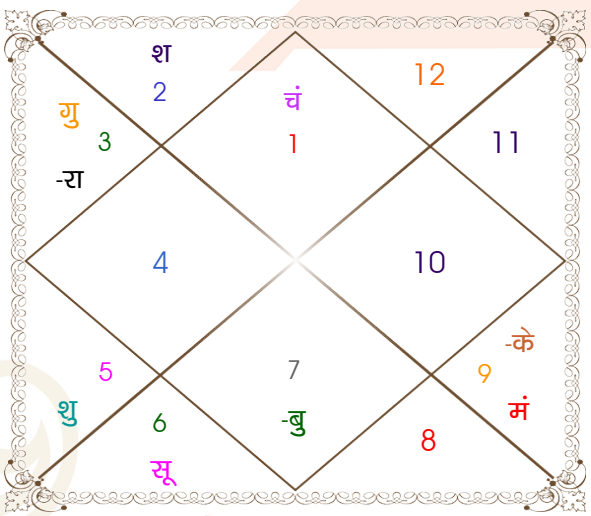

लग्न-चलित

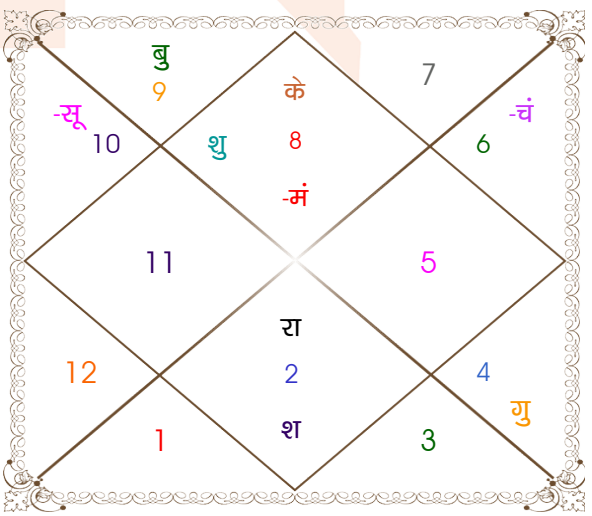

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

।दंदक जपूंतप का वर्ग मृग है तथा ैवनउलं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दंदक जपूंतप औरै वनउलं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

।दंदक जपूंतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ैवनउलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैवनउलं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।दंदक जपूंतप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

।दंदक जपूंतप तथाै वनउलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।